Business Standard October 30, 2016

Chase for Diwali luck could see bets worth ₹10,000 crore

KARAN CHOUDHURY
New Delhi, 29 October

The hip and happening are spinning the wheel, placing bets and holding their cards with gusto amidst Diwali festivities. Estimates suggest bets worth ₹10,000 crore could be placed this festive season. From backroom casinos in farmhouses and hotel rooms to flying to Macau, Indians are finding new ways to try their luck.

First things first, gambling in India is banned, except for some categories such as lotteries and horse racing. Only Goa, Daman and Sikkim have allowed casinos, which generated around ₹700 crore in revenues for the three states in 2015. According to official estimates, casinos in Goa contributed more than ₹300 crore to the state revenue last year.

But the gamblers find ways to bet, particularly on Diwali, which is considered 'auspicious' by many. Most common form of betting on Diwali is card games, where the 'pot' can be anywhere between a few hundred rupees and several lakhs.

Gambling in India is banned, except for some categories such as lotteries and horse racing

According to industry body Assocham, in cities such as Delhi, Mumbai and other metros, the tradition of gambling on Diwali night has been quite popular, especially among the upper-middle class and the business community.

"Card playing on Diwali has become a tradition just like mahurat trading in stock market. According to rough estimates, Diwali night could see gambling of ₹10,000 crore," said D S Rawat, secretary general, Assocham.

While police mostly look the other way on small private card games, teams are always on the prowl for major gambling rackets. A few days back, Delhi Police busted a 'casino' set up for Diwali at a posh south Delhi farmhouse where investigators seized roulette machine, gambling tables, casino token and card decks procured from China, Hong Kong and Nepal.

Turn to Page 4 ▸

BACK PAGE 12 ▸
▸ Chinese cracker market doubles to 40%

Punjab Kesari October 30, 2016

ट्रैफिक जाम से 200 करोड़ का नुक्सान

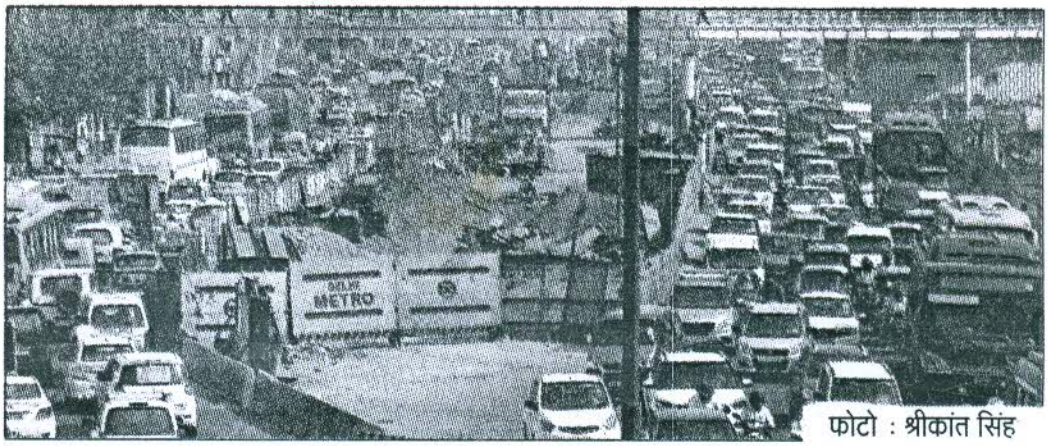

फोटो : श्रीकांत सिंह

नई दिल्ली, (ब्यूरो): दिवाली त्योहार के कारण सड़कों पर बढ़े यातायात और जाम के चलते 200 करोड़ रुपए के ईंधन का नुकसान हुआ है। दिल्ली-एनसीआर समेत देश के अन्य बड़े शहरों में एसोचैम के सर्वेक्षण के मुताबिक जाम के कारण सिर्फ समय ही नहीं, बल्कि बड़े पैमाने पर धन की बर्बादी हुई है। सर्वेक्षण के मुताबिक स्थानीय प्रशासनों के ट्रैफिक जाम से निजात पाने के लिए उठाए गए कदम नाकाफी साबित हुए।

विभिन्न स्थानों पर व्यस्त बाजारों में यातायात को प्रतिबंधित कर दिया गया, लेकिन खरीददारी, दिवाली की बधाई देने या दिवाली के तोहफे का आदान-प्रदान करने वाले लोगों की वजह से यातायात ठहर सा गया। अहमदाबाद, दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरु, कोलकाता, हैदराबाद, मुंबई, पुणे समेत देश के अन्य बड़े शहरों में इस दौरान लोगों को सफर में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। हर जगह लोग ट्रैफिक जाम से त्रस्त रहे। इस दौरान लोगों का समय के साथ-साथ पैसा भी बर्बाद हुआ।

ASSOCHAM IN THE NEWS

Navodaya Times

October 30, 2016

जाम ने फूंक डाला 200 करोड़ का ईंधन

ट्रैफिक पुलिस की तैयारियां रहीं अधूरी, एसोचेम की रिपोर्ट

नई दिल्ली, 29 अक्तूबर (ब्यूरो): दीपावली के त्यौहार के चलते दिल्ली शहर में करीब 200 करोड़ से अधिक का पेट्रोल और डीजल गाड़ियों ने जाम के चलते फूंक डाला। इससे जहां पर्यावरण को नुकसान हुआ है वहीं धन की भी काफी बर्बादी हुई। ये दावा एसोचैम का है। उसके तहत गत् दिनों में दिल्ली जाम की जद में रही जिसके कारण ऐसा हुआ।

उद्योग संगठन एसोचैम के सर्वेक्षण के मुताबिक स्थानीय प्रशासनों ने ट्रैफिक जाम से निजात पाने के लिए कई कदम उठाए। इसी के तहत कई जगह व्यस्त बाजारों में यातायात को प्रतिबंधित कर दिया, लेकिन खरीदारी, दिवाली की बधाई देने या दिवाली के तोहफे का आदान-प्रदान करने वाले लोगों की वजह से यातायात ठहर सा गया। हर जगह लोग ट्रैफिक जाम से त्रस्त रहे।

संगठन के महासचिव डीएस रावत ने कहा, यहां तक कि जो लोग शायद ही कभी अपनी गाड़ी से रोज सफर करते हों, वे भी दिवाली की बधाई देने और तोहफे देने के लिए अपनी गाड़ी से दोस्तों और रिश्तेदारों के घर जाते हैं, जिससे

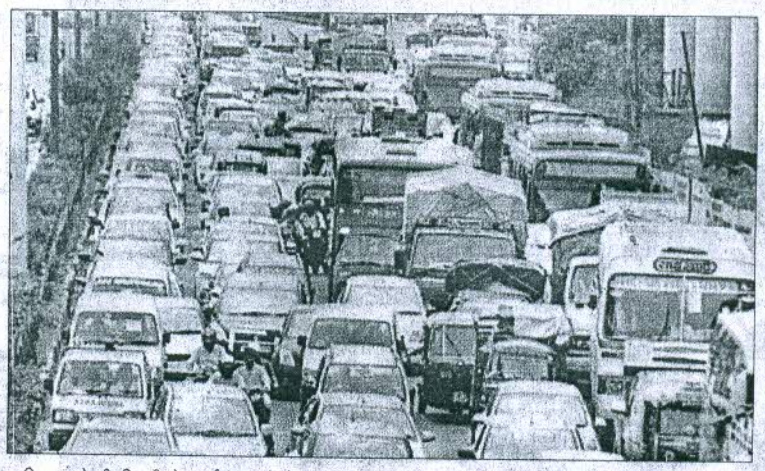

शनिवार को भी दिल्ली के कई इलाकों में जाम की स्थिति रही।

सड़क पर इस दौरान कम से कम 25 प्रतिशत ट्रैफिक बढ़ गया।

इस संबंध में ट्रैफिक पुलिस की ज्वाईंट सीपी गरिमा भटनागर ने कहा कि बीते तीन दिनों दिल्ली में शाम को औसतन 50 फीसदी गाड़ियां एकाएक उतर आईं, इसके अलावा मार्केट में अवैध अतिक्रमण इसका बढ़ा कारण रहा। उन्होंने कहा कि दिल्ली में ट्रैफिक दबाव को कम करने के लिए काफी इंतजाम किए गए और अतिरिक्त पुलिसकर्मियों को भी तैनात किया गया, लेकिन कुछ मार्गों पर वाहनों का अधिक होने के चलते ऐसा हुआ।

यहां सबसे ज्यादा लगा तीन दिन जाम

नेहरू पैलेस रोड, आईटीओ, सरायकाले खां रिंग रोड, मथुरा रोड से फरीदाबाद, धोलाकुंआ चौक से एयरपोर्ट गुड़गांव रोड, मुबारका चौक से रोहिणी, राजौरी गार्डन, पंजाबी बाग, सराय रोहिल्ला के अलावा जामा मस्जिद और लालकिले का इलाका सबसे ज्यादा प्रभावित रहा। यहां पर बीते तीन दिनों में लोगों को महज दो-दो किलोमीटर की दूरी तय करने के लिए दो घंटे से भी अधिक का समय लगा।

5 लाख कमर्शियल वाहन बढ़े

पुलिस और एसोचैम के मुताबिक त्यौहारों के चलते दिल्ली की सड़कों पर वे लोग अमूमन गाड़ियों को घर से कम निकालते है उन्होंने ने भी खरीददारी के चलते इन्हें निकाला। दावे के मुताबिक करीब 2 लाख निजी कारें के अलावा मार्केट के लिए दिल्ली के बाहर से शहर में करीब 5 लाख कमर्शियल वाहन भी इसी दौरान आए। इस कारण दिल्ली की सड़कों पर अतिरिक्त दबाव बढ़ा।

ASSOCHAM IN THE NEWS

Deshbandhu **October 30, 2016**

जाम दिवाली की खरीदारी से ठप रही यातायात व्यवस्था

जाम में फूंका 200 करोड़ रुपए का ईंधन

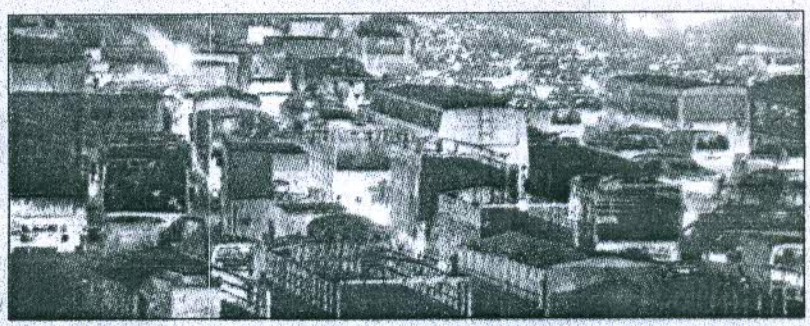

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। दीपावली के कारण होने वाले यातायात जाम के कारण सिर्फ समय नहीं बल्कि धन की भी बर्बादी हुई है। देश के बड़े शहरों में हुए ट्रैफिक जाम के कारण लगभग 200 करोड़ रुपये के ईंधन का नुकसान हुआ है। उद्योग संगठन एसोचैम के सर्वेक्षण के मुताबिक स्थानीय प्रशासनों ने ट्रैफिक जाम से निजात पाने के लिए कई कदम उठाये। इसी के तहत कई जगह व्यस्त बाजारों में यातायात को प्रतिबंधित कर दिया लेकिन खरीदारी, दिवाली की बधाई देने या दिवाली के तोहफे का आदान-प्रदान करने वाले लोगों की वजह से यातायात ठहर सा गया।

अहमदाबाद, दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरु, कोलकाता, हैदराबाद, मुम्बई, पुणे और देश के अन्य बड़े शहरों में इस त्योहारी सीजन में सफर में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। हर जगह लोग ट्रैफ़िक जाम से त्रस्त रहे। संगठन के महासचिव डी एस रावत ने कहा, यहां तक कि जो लोग शायद ही कभी अपनी गाड़ी से रोज सफर करते हों, वे भी दिवाली की बधाई देने और तोहफे देने के लिए अपनी गाड़ी से दोस्तों और रिश्तेदारों के घर जाते हैं, जिससे सड़क पर इस दौरान कम से कम 25 प्रतिशत ट्रैफिक बढ़ जाता है। उन्होंने कहा,'' इसके अलावा ट्रैफिक जाम की एक और वजह है कि रेहड़ी-पटरी वाले और दुकानदार दिवाली के दौरान तंबू लगाकर अपने सामान फुटपाथ और पार्किंग में भी बेचने लगते हैं, जिसके कारण वहां खरीदारों की भीड़ लग जाती है और वाहनों का आवागमन अवरुद्ध हो जाता है।